साप्ताहिक

पंजियन क्रमांक – mphin / 2018/ 76962

नीमच हेडलाइन्स

संस्थापक – स्व॰ इन्द्रदेव जी जाजपुरा संपादक अविनाश जाजपुरा

वर्ष -03 | अंक - 22 | बुधवार 07 / 10 / 2020 | पृष्ठ - 4 | मूल्य - 5 रूपए

covid-19 update

NMH मे सन्क्रमित	MP मे सन्क्रमित	IND मे सन्क्रमित	WRD मे सन्क्रमित
2101	19372	934427	35877000

विनय मोक्ष का द्वार है - संयम रत्न विजय जी महराज

नीमच! विकास नगर के जैन श्वेताम्बर श्री महावीर स्वामी जिनालय की शीतल छाया में आयोजित चातुर्मास के दौरान आचार्य श्री जयन्तसेनसूरिजी के सुशिष्य मुनि श्री संयमरत्न विजय जी,मुनि श्री भुवनरत्न विजय जी ने कल्याण मंदिर स्तोत्र का भावार्थ समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार मणि व मंत्रों से अभिमंत्रित जल अमृत की तरह विष से उत्पन्न विकार को दूर कर देता है,उसी तरह हे जिनदेव! इस लोक में आपको अभेद–बुद्धि से ध याते हुए विद्वानों की आत्मा आप ही के समान प्रभावशाली हो जाती है।प्रभु के समान बनने के लिए हृदय सरल व तरल होना जरुरी है।जहाँ अभिमान है,वहाँ विनय नहीं और विनय बिना विद्या नहीं आती।अहंकार शून्य की ओर ले जाता है और समर्पण पूर्ण की ओर।कुतर्क नर्क है,समर्पण स्वर्ग है।अहंकार मृत्यु और समर्पण मुक्ति है।मान बड़ा ध ोखेबाज व शैतान है।जो सुख झुकने में है,वह अकड़ने में कदापि नहीं।जो आनंद विनम्र व मृदु बनने में है,वह कठोरता में नहीं।आदमी के शरीर में जिह्वा जन्म से ही आती है और मृत्यु तक रहती है,किंतु दाँत जन्म के बाद आते हैं और मरने से पूर्व टूट जाते हैं,क्योंकि दाँत कठोर होते हैं।इसलिए कठोरता सदा अल्पजीवी और मृदुता दीर्घजीवी होती है।जो बड़े–बुजुर्गों–गुरुजनों का सन्मान करता है,वह मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर हो जाता है।विनय ही मोक्ष का द्वार है।विनय ही उन्नति की प्रथम सीढी है।विनय ही जीवन का धर्म है।परमात्मा की संपदा का एकमात्र अधिकारी विनयशील व्यक्ति ही है।विनयशील व्यक्ति सबसे प्रशंसा पाता है।भगवान बनना है,तो अहंकार से बचें।अहंकार ही आत्मा और परमात्मा के बीच में दीवार का काम करता है।अधिकतर तीर्थ गंगा और अन्य नदियों के किनारे हैं,क्योंकि नदियाँ सागर की तरफ जा रही है,मिटने की ओर जा रही हैं।तीर्थ तो वही है,जहाँ हमें मिटने का बोध मिले।तीर्थ हमें कहता है–यहाँ आकर अपने अहंकार को मिटा डालो।अहंकार के नारियल को फोड़ दो।किसी से कुछ पाना है,तो उसके सिर पर नहीं,चरणों में आना पड़ता है।किसी की सेवा करते हैं,चरण–वंदन करते हैं,तो इससे हमारा अहंकार टूटता है।बहू यदि सासु के पैर दबाती है,तो यह भी एक पुण्य कार्य है,सेवा,धर्म और पूजा है।

सर्वे का काम पुरा , बाढ ओर कीट से खराब हुई फसल का मिलेगा मुआवजा !

2019 मे किसानों को 2000 करोड रूपए का मुआवजा वितरित करा था।

भोपाल. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में बाढ़ एवं कीट–व्याधि ा से प्रभावित हुए किसानों को हर हालत में पूरी सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। किसानों को उनकी खराब हुई पूरी फसल का मुआवजा दिलाया जाएगा। यद्यपि प्रदेश में कोविड संकट के चलते अर्थव्यवस्था की स्थिति खराब है, परंतु किसानों की मदद में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी जाएगी। किसानों को यथाशीघ्र पर्याप्त सहायता राशि मिलेगी। किसान बिल्कुल चिंता न करें, मध्यप्रदेश सरकार पूरी तरह से उनके साथ है। 40 लाख हेक्टेयर में क्षति, 4000 करोड़ रुपए संभावित मुआवजा प्रमुख सचिव राजस्व मनीष रस्तोगी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा फसलों की 33 प्रतिशत या अधिक क्षति होने पर मुआवजा दिया जाता है,

जबकि राज्य सरकार द्वारा 25 प्रतिशत या अधिक क्षति पर ही किसानों को मुआवजा उपलब्ध कराया जाता है। प्रदेश में बाढ़ एवं कीट व्याधि ा से लगभग 40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें प्रभावित हुई हैं, जिनके लिए लगभग 4000 करोड़ रुपए का मुआवजा संभावित है। गत वर्ष केंद्र सरकार से 34 लाख 87 हजारहेक्टेयर रकबे में फसलों को हुए नुकसान के लिए 2487 करोड़ 21 लाख रुपए की सहायता राशि की मांग की गई है। प्रदेश में लगभग 60 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की फसलें खराब हुईं थी तथा किसानों को 2000 करोड़ रुपए का मुआवजा वितरित किया गया था। फसलों की क्षति का सर्वे कार्य पूर्णप्रदेश में फसलों को हुई क्षति का सर्वे कार्य पूर्ण हो गया है। इस संबंध में केंद्र सरकार का दल भी प्रदेश आया था, जो सर्वे कर वापस चला गया है। मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने बताया कि केंद्रीय सर्वे दल ने फसलों की क्षति के सर्वे के दौरान प्रदेश में रिकॉर्ड कीपिंग के कार्य को परफेक्ट माना। केंद्र

बाढ़ एवं कीट से हुआ था भारी नुकासान / कन्द्र सरकार से करी माँग।

सरकार से २४८६ करोड़ रुपए की मांगप्रदेश में बाढ़ एवं कीट से फसलों का ३९ लाख ९५ हजार हेक्टेयर रकबा प्रमावित हुआ है। इसमें से ३६ लाख हेक्टेयर रकबे में ३३ प्रतिशत से अधिक नुकसान हुआ है ।

राज्य में बाढ़ और कीटों के कारण फसलों का ३९ लाख ९५ हजार हेक्टेयर क्षेत्र प्रमावित हुआ है। इसमें से ३६ लाख हेक्टेयर क्षेत्र में ३३ प्रतिशत से अधिक नुकसान हुआ है। ३४ लाख ८६ हजार हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को हुए नुकसान के लिए केंद्र सरकार से २४८६ करोड़ २१ लाख रुपये की मांग की गई है।

अधिक खबरों के लिए प्ले स्टोर से हमारा एप्प डॉउनलोड करे ओर पाए क्षैत्र ,देश व दुनिया की हर खबर सबसे पहले , सबसे तेज।

नीमच हेडलाइंस

सम्पर्क – 9893796737

भील समाज राणा पूंजा की जयंती पौधारोपण के साथ आज मनाएगा

नीमच 3 अक्टूबर 2020 (केबीसी न्यूज)भील समाज के महान योद्धा राणा पूंजा का जयंती कार्यक्रम आदिवासी भील समाज सेवा संगठन के तत्वाधान में आज 4 अक्टूबर शुक्रवार सुबह 10 बजे मनासा मार्ग स्थित मां शबरी आश्रम नीमच पर पौधारोपण कार्यक्रम के साथ मनाया जाएगा इस अवसर पर विश्वव्यापी विश्वव्यापी महामारी से बचाव के लिए निशुल्क मास्क वितरण भी किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान विकास समिति के राष्ट्रीय संस्थापक छीतर मल खाटकी विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत एडिशनल सीईओ अरविंद डामोर जिला संयोजक रतन लाल भील जिला सचिव जिला सचिव पवन कुमार भील जिला अध्यक्ष देवीलाल भील महासचिव बाबू लाल भील उपाध्यक्ष गोपाल चौहान जगदीश भील जिला संचालक राजेश भील जिला संरक्षक हरिसिंह खराड़ी मीडिया प्रभारी राहुल भील जिला प्रभारी दुर्गेश भील सह मीडिया प्रभारी विकास भील जिला युवा अध यक्ष काललाल चौहान जावद लाल चौहान जावद तहसील अध्यक्ष हेमराज भील हेमराज प्रचार मंत्री विजय चौहान जिला महिला प्रमुख पूर्व पार्षद राजू देवी भील आदि का मार्गदर्शन भी मिलेगा कार्यक्रम में जिले की सभी पंचायतों तहसीलों ग्रामीण क्षेत्रों के अध यक्ष सचिव जनप्रतिनिधि पार्षद पंच सरपंच का मार्गदर्शन भी मिलेगा

सम्पादकीय

दशकों पीछे ले जाने वाला साल !

भले ही हम सोचते हैं कि कोविड–19 मुख्य रूप से दुनिया में बुजुर्गों को ही निशाना बना रहा है, परंतु गरीब देशों में इसका असर उससे भी अधिक प्रलयंकारी है। इसके कारण बच्चे कुपोषण से मर रहे हैं। बच्चों खासतौर से बालिकाओं की पढ़ाई छूट रही है और वे बाल विवाह का दंश झेलने को मजबूर हैं। यह मातृ मृत्यु दर बढ़ने की वजह बन रहा है। इसने पोलियो और मलेरिया जैसी बीमारियों के खिलाफ मुहिम को कमजोर कर दिया है। इससे विटामिन ए वितरण की राह में भी अवरोध पैदा हो गए हैं, जिसके कारण और ज्यादा बच्चे दृष्टिबाधा का शिकार होंगे और मौत के आगोश में चले जाएंगे। यूएन पॉपुलेशन फंड की चेतावनी है कि कोविड–19 के कारण दुनिया भर में 1.3 करोड़ और अधिक बाल विवाह होंगे, जबकि लगभग 4.7 करोड़ महिलाओं को गर्भनिरोध के आधुनिक साधन नहीं मिल पाएंगे। कुल मिलाकर कोरोना महामारी के बाद बीमारियों, निरक्षरता और भयावह गरीबी की आपदा दस्तक देने वाली है और बच्चे इसके सबसे बड़े शिकार होंगे। कोविड–19 का दुष्प्रभाव केवल उन पर ही नहीं होगा जो इसके संक्रमण की चपेट में आए, बल्कि उन विकासशील देशों के लोगों पर भी होगा, जिनकी अर्थव्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य का ढांचा इस आपदा ने हिलाकर रख दिया है। यह इससे देखा जा सकता है कि तमाम क्लिनिक बंद हैं। एड्स सहित तमाम बीमारियों में काम आने वाली दवाएं उपलब्ध नहीं हैं। मलेरिया और जननांगों को विकृत करने के खिलाफ चलाई जाने वाली मुहिम थम गई है। बांग्लादेशी एनजीओ बीआरएसी के कार्यकारी निदेशक डॉ. मुहम्मद मूसा ने मुझे बताया कि कोविड–19 का प्रत्यक्ष प्रभाव तो संक्रमितों और उनके परिवारों पर ही असर दिखाएगा, लेकिन परोक्ष प्रभाव के चलते नौकरियां जाएंगी, भुखमरी और घरेलू हिंसा बढ़ेगी और तमाम बच्चों की पढ़ाई छूट जाएगी।

आशंका है कि कोरोना से उत्पन्न गतिरोध के कारण करीब आठ करोड़ बच्चे खसरा रोधी वैक्सीन से वंचित रह जाएंगे। यदि वे खसरा से बच भी गए तो कुपोषण से उनकी जान पर आफत आ जाएगी। सबसे अधिक तपिश लड़कियों को झेलनी पड़ेगी। उनमें से तमाम का बाल विवाह करा दिया जाएगा, ताकि नए घर में उनके खान–पान और रहन–सहन की व्यवस्था हो सके या फिर वे मामूली सी तनख्वाह और महज खाने–पीने के एवज में घरेलू सहायिका के रूप में काम करने के लिए शहरों का रुख करेंगी। इससे न केवल उनकी पढ़ाई–लिखाई थम जाएगी, बल्कि उनके शोषण की आशंका भी बढ़ेगी। विकासशील देशों में बालिका शिक्षा को समर्थन देने की दिशा में लगी संस्था कैमफेड इंटरनेशनल की कार्यकारी निदेशक एंजेलिना मुरिमीरवा का कहना है, विद्यार्थियों के समक्ष सबसे बड़ी समस्या भुखमरी की है। मलावी में कैमफेड के 60 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों ने भोजन की कमी की बात कही है। कोरोना संकट से पहले ही जिंबाब्वे में चार प्रतिशत लड़कियों की शादी 14 साल से पहले हो रही थी। आने वाले दिनों में यह आंकड़ा और बढ़कर बदतर तस्वीर पेश कर सकता है। कुछ साल पहले मैंने एक प्रतिभाशाली केन्याई लड़की की दर्दनाक दास्तान सुनी थी। उसका सवाल था कि क्या आर्थिक तंगी के अभाव में उसे अपने सपनों को ताक पर रखकर पढ़ाई छोड़ देनी चाहिए या उस व्यक्ति से यौन संबंधों का प्रस्ताव स्वीकार कर लेना चाहिए, जो उसकी पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए तैयार है? उसे डर था कि वह व्यक्ति एचआइवी से ग्रस्त हो सकता है। अब तमाम लड़कियों को ऐसी अनहोनी वाले विकल्पों से जूझना होगा। लॉकडाउन और आर्थिक गिरावट से जुड़ी इस आपदा ने विदेशों से आने वाले धन यानी रेमिटेंस को भी प्रभावित किया है। बीएआरसी के अनुसार लाइबेरिया, नेपाल, फिलीपींस और सिएरा लियोन में काम करने वाले उसके दो तिहाई लोगों का कहना है कि आमदनी में भारी कमी आई है या वह बिल्कुल ही खत्म हो गई है। संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने वाले मार्क लॉकुक का कहना है, श्अगर आप दिहाड़ी मजदूर हैं और आपसे

कसक्रमण एक बार फिर उनकी देहरी पर दस्तक दे सकता है। कोविड–19 से लड़ने में 10 अरब डॉलर जुटाने की संयुक्त राष्ट्र की अपील पर केवल एक चौथाई राशि ही इकट्ठा हो पाई है।

कोरोना वॉरियर्स , एनसीसी , बी एवं सी उत्तीर्ण करने वाले छात्र सैनिको का हुआ सम्मान !

नीमच , मनासा , जावद कॉलेज के छात्रों का सम्मान

नीमच। मध्यप्रदेश इंडिपेंडेंट कंपनी एनसीसी नीमच के कमान अधिकारी अधिकारी कर्नल शरद मोहन सिंह सिंहद्वारा पीजी कॉलेज मनासा कॉलेज, एवं जावद कॉलेज के छात्र सैनिकों द्वाराकोविड 19 लॉकडाउन के दौरान छात्र सैनिकों ने नजिला प्रशासन के साथ मिलकर अहम भूमिका निभाई जिस समय सरकार जनता से आग्रह कर रही थी कि आप घर में रहिए सुरक्षित रहिए ऐसे समय में हमारे नौजवान छात्र सैनिकों द्वारा अपनी परवाह किए बिना जनता को जागरूक करने एवं प्रशासन की मदद करने में सहयोग प्रदान किया ।जिन छात्र सैनिकों ने लॉकडाउन में ड्यूटी की उन छात्र सैनिकों को डायरेक्टरेट '' जनरल भोपाल द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं। साथ ही इन्हीं छात्र सैनिकों ने बी व सी प्रमाण पत्र परीक्षा भी उत्तीर्ण कर ली है जिन्हें आज दोनों प्रमाण पत्र बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल शरद मोहन सिंह (भारतीय सेना) द्वारा छात्र सैनिकाका सम्मान किया गया । इस अवसर पर कर्नल एसएम सिंह ने कहा कि इस वर्ष कोरोना से पहले एनसीसीबी व सी प्रमाण पत्र परीक्षा आयोजित की गई थी जिनका परीक्षा परिणाम 5 मध्यप्रदेश बटालियन का रिजल्ट बहुतअच्छा रहा अधिक से अधिक कैडेट्स ए ग्रेडिंग में उत्तीर्ण हुए हैं साथ ही मैं उन कैडेट्सके माता–पिता को ध न्यवाद देता हूं जिन्होंने अपने बच्चों काकोविड–19 के समय ड्यूटी करने की अनुमति दी एवं देश के लिए अपना योगदान दिया एवं जिला प्रशासन की मदद की इस अवसर पर महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी, बटालियन सूबेदार अवधेश सिंह चौहान, सीएचएम चमकौर सिंह, हवलदार कुशवाहा एवं की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कैंट पुलिस ने चेक बाउंस का 1 साल से फरार स्थायी वारंटी किया गिरफ्तार

नीमच! पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय, एएसपी एस.एस.कनेश व सीएसपी राकेश मोहन शुक्ल के निर्देशन में चलाए जा रहे फरार स्थाई वारंटी धरपकड़ अभियान के तहत नीमच कैंट पुलिस को सफलता हाथ लगी है। थाना प्रभारी अजय सारवन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 1 साल से फरार स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के मुताबिक विजय पिता सतपाल अरोरा उम्र 47 वर्ष निवासी पारसी कंपाउंड जो पिछले 1 वर्ष से 138 चेक बाउंस मामले में फरार चल रहा था। जिसे आज सुबह विजय टॉकीज चौराहे से गिरफ्तार किया है। उक्त कार्यवाही में सब इस्पेक्टर शब्बी मेव प्रधान आरक्षक कैलाश कुमरे,राजमल पाटीदार, कांस्टेबल अंतिम माली का सराहनीय योगदान रहा।

नीमच में ३५ लोगों ने जीती कोरोना से जंग—अब तक १८५० लोग हुए स्वस्थ

नीमच! नीमच जिले में कोरोना संक्रमण से स्वस्थ होने वाले व्यक्तियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मंगलवार को जिले में 35 कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया है। जिले में अब तक 1850 कोरोना संक्रमित मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने घर लौट चुके हैं। वर्तमान में जिले में 216 एक्टिव केस हैं। जिनका उपचार जारी हऔर बिना लक्षण वालों को होम आइसोलेशन भी किया गया ब तकजिले में 35 हजार से अधिक लोगो के सेम्पल लिए जा चुके है।कोरोना संक्रमण से निपटने के चार प्रमुख स्तंभ आईडेंटिफिकेशन, आइसोलेशन,टेस्टिंग एवं ट्रीटमेंट पर जिला प्रशासन द्वारा विशेष फोकस किया गया है। नये कोरोना संक्रमित मरीजों को शीघ्र कांटेक्ट ट्रेसिंग कर उन्हें संस्थागत क्वारेंटाइन किया जा रहा है। सर्दी, खांसी, बुखार व कोरोना संदिग्ध मरीजों की प्राथमिक स्टेजमें ही पहचान की जा रही है तथा उन्हें आइसोलेट कर नियमानुसार टेस्टिंग व ट्रीटमेंट काकार्य गंभीरता से किया जा रहा है।

लावण्या दायमा का हुआ आईआईटी में चयन

कीर समाज में हर्ष की लहर, बधाईयों को लगा तांता

भोपाल। लावण्या सुपुत्री पन्नालाल दायमा (एसडीओ सिंचाई विभाग), जाति कीर का आईआईटी में चयन हुआ है। लावण्या की आईआईटी में 3123 रैंकिंग लगी है। लावण्या के पिता पन्नालाल दायमा होशंगाबाद में एसडीओ है। लावण्या की इस उपलब्धि पर कीर समाज के प्रबुद्धजनों मध्यप्रदेश कीर समाज के अध्यक्ष शंकरलाल कीर बटोही, कीर युवा महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष चान्दना नीमच, भँवरलाल कीर मोरवन, प्रमोद कीर बाबई, भागीरथ दायमा, चंदन कीर, आशीष कीर गांधीसागर, कमलसिंह सिसोदिया नागदा जंक्शन, प्रभुलाल कीर देपालपुर, विशाल चान्दना देपालपुर, मनीष चान्दना इंदौर, विनोद कीर, घनश्याम कीर, केहर कीर नसरूल्लागंज, बापू लाल कीर रावतपुरा, मनोहर कीर, रामनिवास कीर, मनोज दायमा गांधीसागर, श्यामलाल कीर, चरण कीर गजराज कीर,भागीरथ कीर बहुत–बहुत बधाईयाँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की है। कीर समाज के प्रबुद्धजनों ने बताया कि लावण्या का चयन होना गर्व की बात है और यह सकल कीर समाज के लिये एक रोमांचित कर देने वाली बात है। पूरे देश के कीर समाज के लोगो में आज तक किसी भी बेटे या बेटी का चयन आईआईटी में नही हुआ संभवतः लावण्या पहली बालिका है जिसका चयन आईआईटी में हुआ है। लावण्या प्रतिभाशाली और उर्जावान बालिका है जिसने अपनी प्रतिभा के बल पर परिवार तथा समाज का नाम रोशन किया है।ज्ञात रहे कि लावण्या बास्केटबॉल में नेशनल खिलाड़ी है और भी बहुत प्रतिभा की धनी है लावण्या। कीर समाज में पहली बार आईआईटी में हुए में कीर समाज के युवावर्ग में हर्ष का माहौल व्याप्त है। लावण्या की इस उपलब्धि से कीर समाज के अध्ययनरत बालक बालिकाओ को प्रेरणा मिलेगी और वे भी अपने उज्जवल भविष्य के लिये अच्छी मेहनत कर उँचा मुकाम पायेंगे।

फिल्मी दुनिया

कंगना के पलटते तैवर ।

इतने मंदबुद्धि कब से हो गए

बॉलीवुड एक्ट्रस कंगना रनोट इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। कंगना रनोट की बॉलीवुड की हस्तियों से जुबानी जंग चल रही हैं। जया बच्चन पर निशाना साधने के बाद कंगना रनोट ने अब फिल्ममेकर अनुराग कश्चप पर पलटवार किया है। अनुराग कश्चप ने कंगना पर व्यंग करते हुए लिखा था कि वे सच्ची मणिकर्णिका हैं और उन्हें बॉर्डर पर जाकर चीन से लड़ना चाहिए।

इस पर कंगना ने पलटवार करते हुए कहा, मैं बॉर्डर पर जाती हूं आप अगले ओलिंपिक्स में चले जाना, देश को गोल्ड मेडल भी तो चाहिए। यह कोई बी ग्रेड फिल्म नहीं है जहां कलाकार कुछ भी बन जाता है। आप इतने मंदबुद्धि कब से हो गए, जब हमारी दोस्ती थी तब तो आप काफी चतुर थे। इससे पहले कंगना ने ट्वीट किया था, मैं एक क्षत्राणी हूं। सर कटा सकती हूं लेकिन सर झुका सकती नहीं। राष्ट्र के सम्मान के लिए हमेशा आवाज बुलंद करती रहूंगी। इस ट्वीट के बाद ही अनुराग कश्यप ने कंगना से बॉर्डर पर जाकर चीन से युद्ध करने का आग्रह किया था इससे पहले अनुराग कश्यप ने कहा था, श्कंगना मेरी अच्छी दोस्त हुआ करती थी। वे मेरी फिल्मों के लिए मुझे प्रोस्ताहित किया करती थीं, लेकिन मैं इस नई कंगना को नहीं जानता हूं। सपा सांसद जया बच्चन ने कुछ दिनों पहले राज्यसभा में कंगना रनोट के उस बयान की आलोचना की थी जिसमें उन्होंने बॉलीवुड की तुलना गटर से की थी।

एआईआईएमएस की रिर्पोट में बड़ा खुलास ।

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के साढ़े तीन महीने बाद भी इस मामले में रोजाना नए–नए मोड़ आ रहे हैं। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की फॉरेंसिक डॉक्टरों की टीम ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को फाइनल रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों के अनुसार ।प्ने अपनी रिपोर्ट में सुशांत की हत्या के दावों को खारिज कर दिया है। इसके अनुसार, मौत की वजह अत्महत्या बताया है। हालांकि एम्स के पांच सदस्यीय फॉरेंसिक टीम के चेयरमैन डॉ. सुधीर गुप्ता ने अभी तक इस मामले में अधिकारिक बयान नहीं दिया है।

इसके पहले 28 सितंबर को एम्स के फॉरेंसिक डॉक्टरों की टीम व सीबीआई के बीच बैठक हुई थी। जिसमें एम्स ने विसरा जांच की रिपोर्ट ब्ठप् को सौंपी थी। विसरा जांच में किसी तरह के जहर की पुष्टि नहीं हुई थी, तब डॉ. सुधीर गुप्ता ने कहा था कि एम्स की टीम जांच के नतीजे पर पहुंच गई है। एम्स की फॉरेंसिक टीम ने तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए कुछ कानूनी पहलुओं पर गौर करने के बाद फाइनल रिपोर्ट ब्ठप् को सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, ।के डॉक्टरों के एक पैनल ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को अपनी राय देते हुए कहा है कि एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की हत्या नहीं हुई है, बल्कि यह आत्महत्या का मामला है। सुशांत का पोस्टमार्टम करने वाले कूपर हॉस्पिटल के डॉक्टरों के पैनल ने भी सुशांत सिंह राजपूत की मौत को आत्महत्या ही बताया था। वैसे की रिपोर्ट के बारे में अभी ब्ठप् ने अपना पक्ष नहीं रखा है।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के साढ़े तीन महीने बाद आई आत्महत्या की इस थ्योरी को एम्स फॉरेंसिक टीम की फाइनल रिपोर्ट कहा जा रहा है। इस रिपोर्ट को एम्स के पैनल को सौंप दिया है, जिस पर जांच एजेंसी अध्ययन कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, एम्स के फॉरेंसिक पैनल ने सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में अपनी ओर से जांच पूरी कर ली है और ब्ठप् को अपनी चिकित्सीय–कानूनी राय देने के बाद फाइल बंद कर दी है। इसके बाद एक्टर की मौत की जांच में जुटी टीम ।प्ड्ढे की इस रिपोर्ट के साथ अपनी जांच का मिलान कर किसी नतीजे पर पहुंचे की कवायद में जुट गई है। । की रिपोर्ट के बाद सीबीआई अब इस एंगल से जांच कर सकती है कि आखिर ऐसे क्या कारण थे कि सुशांत आत्महत्या के लिए मजबूर हुऐ।

बिजनेस / टेक्नॉलॉजी

गोल्ड की कीमतों में आई ५००० रुपए प्रति १० ग्राम की गिरावट, अब आएगी तेजी

20 दिसम्बर। दुनिया के कुछ देशों में कोरोना वायरस की दूसरी लहर आने से फिर से लॉक डाउन की खबरें आ रही है जिससे कीमती धातु के भाव को समर्थन मि है। चांदी के भाव मे इ दौरान हल्की तेजी रही अ भाव 68,400 रुपये प्र किलो के करीब रहे। दुनि के कुछ देशों में कोरो वायरस की दूसरी लह आने से फिर से लॉ डाउन की खबरें आ रह है जिससे कीमती धातुओं के भाव को समर्थन मिला है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद से सोने को समर्थन मिल रहा है। सप्ताह की शुरुआत में सोने में गिरावट दर्ज की गई, जिसकी मुख्य्र बजह मजबूत डॉलर ने सोने को दो सप्ताह के उच्च स्तर से वापस गिरा दिया। अमेरिकी बेरोजगारी के आकड़ों में सुधार से डॉलर को मजबूती मिली है। सप्ताह के अंत तक

डॉलर मे ऊपरी स्तर पर दबाव बना और कीमती धातुओं के भाव मे तेजी का रुझान फिर से बना है। फेडरल रिजर्व ने घोषणा की है कि वह ब्याज दरों को शून्य के करीब रखेगा और जब तक मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत से अधिक नहीं हो जाती है ब्याज दरों को नहीं बढ़ाएगा। फेड के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने यह भी कहा कि आर्थिक सुधार के लिए आगे का रास्ता अभी भी बहुत अनिश्चित है और कुछ समय के लिए आर्थिक गतिविधि कम रहने की उम्मीद है। यह है अब संभावना रू इस सप्ताह अक्टूबर वायदा सोने के भाव सीमित दायरे में रह सकते हैं और इसमें 50,400 रुपये के निचले स्तर पर समर्थन तथा 52,300 रुपये के ऊपरी स्तर पर प्रतिरोध है। चांदी दिसंबर वायदा के भाव तेज रहने की संभावना है और इसमें 66,600 रुपये पर समर्थन और 70,000 रुपये पर प्रतिरोध है।

३० सितंबर से लागू होंगे क्रेडिट ओर डेबिट कार्ड के नए नियम

रजर्व बैंक ऑफ इंडिया क्रेडिट और डेबिट कार्ड नियमों में बदलाव किए हैं। त्ठप् द्वारा किए जाने वाले ये बदलाव 30 सितंबर से लागू होंगे। डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वालों के लिए परेशानी से बचने के लिए इन बदलावों के बारे में जानना जरूरी है। कोविड–19 महामारी की वजह से क्रेडिट और डेबिट कार्ड धारकों को समय मिल गया, अन्यथा ये नियम तो पहले ही लागू होने वाले थे। ग्राहकों को अब अंतरराष्ट्रीय लेनदेन, ऑनलाइन लेनदेन और कॉन्टैक्टलेस कार्ड से लेनदेन के लिए प्राथमिकता दर्ज करानी होगी। ग्राहकों को इसके लिए आवेदन करने पर ही यह सर्विस मिलेगी। आरबीआई ने बैंकों से कहा कि क्रेडिट आरे डेबिट कार्ड जारी करते वक्त ग्राहकों को घरेलू ट्रांजेक्शन की अनुमति देनी चाहिए। इसके अनुसार, यदि

आवश्यकता नहीं है तो एटीम से पैसे निकालते वक्त और पीओएस टर्मिनल पर शॉपिंग के लिए विदेशी ट्रांजेक्शन की अनुमति नहीं दें। ग्राहकों को यह सुविधा प्रदान की गई हैं कि वे कभी भी अपने कार्ड पर विदेशी ट्रांजेक्शन की सुविधा ले सकते हैं।पने कार्ड पर कोई भी सर्विस एक्टिवेट करने या हटाने का अधिकार भी ग्राहक का अे प्रदान किया गया है। ग्राहक दिन में किसी भी वक्त अपने ट्रांजेक्शन की लिमिट को बदल सकता है। अब आप मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम मशीन या आईवीआर के जरिए कभी भी अपने कार्ड की लिमिट बदल सकते हैं। ये नियम जनवरी में बना दिए गए थे, लेकिन लागू नहीं हो पाए थे। कोरोना महामारी की वजह से ये बदलाव अब 30 सितंबर से लागू होंगे।

डोनाल्ड ट्रम्प ओर पत्नी मेलानियां को हुआ कोरोना

पीएम मोदी ने की जल्द स्वस्थ होने की कामना

पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा, अपने मित्र डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला के शीघ्र स्वस्थ होने और उनकी अच्छी सेहत की कामना करता हूं।कोरोना महामारी अमेरिकी राष्ट्रपति के निवास व्हाइट हाउस तक पहुंच गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रम्प कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले सुबह की दोनों ने खुद को क्वारंटाइन कर लिया था। दोनों के सैम्पल लिए गए थे और कोरोना रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा था। ट्रम्प ने अपने सलाहकार रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

डोप सिक्स के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद यह कदम उठाया था। खुद राष्ट्रपति ट्रम्प ने ट्वीट कर यह जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा था, होप सिक्स बिना थके लगातार काम कर रहे थे। अब उनकी कोरोनाफर्स्ट लेडी और मैं अपनी कोरोना रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। तब तक हम दोनों खुद को क्वारंटाइन कर रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों से शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा, अपने मित्र डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला के शीघ्र स्वस्थ होने और उनकी अच्छी सेहत की कामना करता हूं।महिलाएं व बच्चे कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित हर्षवर्धन

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि देश की स्वास्थ्य प्रणाली पर मौजूदा कोरोना महामारी के कारण पड़ रहे भारी दबाव के बावजूद प्रयास किए जा रहे हैं कि महिलाओं, बच्चों और किशारों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराई जाएं। मेटरनल, न्यूबॉर्न एंड चाइल्डहेल्थ (पीएमएनसीएच) के एक कार्यक्रम को वीडियो कांफ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, कोरोना का सर्वाधिक प्रभाव महिलाओं, बच्चों और किशोरों को झेलना पड़ा है और इसके लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। हर्षवर्धन ने यह भी कहा कि गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को सेवाएं मुहैया नहीं किए जाने को बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस के झारखंड प्रभारी आरपीएन सिंह भी कोरोना संक्रमित

झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपीएन सिंह कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। आरपीएन सिंह एक दिन पहले ही झारखंड से दिल्ली लौटे थे। उन्होंने ट्वीट कर भी खुद के संक्रमित होने की सूचना दी है। साथ ही अपने संपर्क में आए लोगों से उन्होंने कोरोना जांच कराने का आग्रह किया है।

ठंड में बढ सकता है कोरोना संक्रमण का खतरा।

कोरोना वायरस मुख्य रूप से खांसने, छींकने, बातचीत करने या सांस लेने के दौरान निकलने वाले तरल कणों से फैलता है। कोरोना वायरस (कोविड–19) के कहर से इस समय पूरी दुनिया जूझ रही है। अब एक नए अध्ययन में यह पता चला है कि सर्दी के मौसम में जब लोग घरों में रहना ज्यादा पसंद करते हैं, तब कोरोना का खतरा बढ़ सकता है। खासतौर पर वेंटीलेशन सिस्टम से संक्रमण फैलने का अंदेशा जताया गया है। यह सिस्टम कई इमारतों में तापमान अनुकूल बनाए रखने के लिए लगाया जाता है। ब्रिटेन की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के विज्ञानियों के अनुसार, व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल होने वाले वेंटीलेशन सिस्टम के जरिये पूरे स्थान पर वायु जनित प्रदूषक तत्व फैल सकते हैं। इनके साथ तरल कण भी सकते हैं, जिनमें कोरोना वायरस भी हो सकता है।

इस बात के लगातार साक्ष्य बढ़ते जा रहे हैं कि कोरोना वायरस मुख्य रूप से खांसने, छींकने, बातचीत करने या सांस लेने के दौरान निकलने वाले तरल कणों से फैलता है। अध्ययन के इन निष्कर्षों से जाहिर होता है कि संक्रमण की रोकथाम के लिए मास्क पहनना और अच्छी गुणवत्ता के वेंटीलेशन सिस्टम की जरूरत है। शोधकर्ताओं ने अब तक के अध्ययनों के आधार पर कहा कि बाहर की अपेक्षा घर के अंदर संक्रमण के प्रसार का खतरा ज्यादा रहता है।

दुर्गा प्रतिमाओं पर नहीं रहेगा ६ फीट ऊंचाई का प्रतिबंध

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि दुर्गा उत्सव में स्थापित की जाने वाली दुर्गा प्रतिमाओं पर 6 फीट ऊंचाई का प्रतिबंध नहीं रहेगा, इसे हेतु लगने वाले पंडालों का अधिकतम आकार 30 45 वर्ग फीट हो सकेगा। साथ ही प्रदेश में चल समारोह की अनुमति नहीं होगी तथा आयोजन समिति के अधिकतम 10 व्यक्ति दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन कर सकेंगे। दुर्गा उत्सव पर गरबा करने की अनुमति नहीं होगी। दशहरा उत्सव पर रामलीला एवं रावण दहन किया जा सकेगा, परंतु सभी आयोजनों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना पूरी तरह अनिवार्य रहेगा। ऐसी झांकियां नहीं बनाई जा सकेंगी, जिनमें किसी भी तरह से शारीरिक दूरी का उल्लंघन हो।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए त्योहारी सीजन में नियमों का कड़ाई से पालन होना चाहिए। शारीरिक दूरी का पालन करने में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के ५४ कर्मचारी निलंबत ।

एयरलाइंस के प्रवक्ता ने कहा कि संगठन में जवाबदेही की प्रक्रिया जारी है। 54 कर्मचारियों को उनके खिलाफ लगे विभिन्न आरोप सही पाए जाने के बाद बर्खास्त किया गया है। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस ने अपने 54 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इन सभी को जाली प्रमाणपत्र सौंपने, रिश्वत, तस्करी, नशे में संलिप्तता और सरकारी रिकार्ड की चोरी के आरोप में हटाया गया है। जांच और समिति की रिपोर्ट में सभी को उनपर लगे आरोपों का दोषी पाए जाने के बाद शुक्रवार को एयरलाइंस ने यह कार्रवाई की। 13 अन्य कर्मचारियों को समर्पण और प्रतिबद्धता दर्शाने के लिए सराहना पत्र दिया गया है और सात अन्य को तय से आगे जाकर काम करने के लिए नकद अवार्ड दिया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि 54 में से सात को जाली दस्तावेज, आठ को लंबे समय तक अकारण गैरहाजिर रहने, दो को उपभोक्ताओं और ठेकेदारों से रिश्वत लेने, चार को गैरकानूनी और अनैतिक काम करने, एक को शराब और नार्कोटिक्स में संलिप्त रहने के कारण बर्खास्त किया गया है। ड्यूटी पर सोने के आरोप में एक को नोटिस तो नौ अन्य को निर्देश का पालन न करने पर निम्न वेतन ग्रेड में डाल दिया गया है। एयरलाइंस के प्रवक्ता ने कहा कि संगठन में जवाबदेही की प्रक्रिया जारी है। 54 कर्मचारियों को उनके खिलाफ लगे विभिन्न आरोप सही पाए जाने के बाद बर्खास्त किया गया है।

आईपीएल मैच पर लगा लाखों का सट्टा, बुकी गिरफ्तार

आईपीएल क्रिकेट मैच को लेकर जिले में भी सटोरिए सक्रिय हैं और सट्टे के शौकीन रईसजादों से लाखों के दांव लगवा रहे थे। इसकी भनक लगते ही एसपी राहुल लोढ़ा ने लालबाग थाने की टीम और साइबर सेल को सक्रिय किया था। जिसने शनिवार को कलेक्टोरेट मार्ग स्थित सीके ग्रेंड कालोनी के एक मकान से सट्टा खिला रहे बुकी मनीष पुत्र सुरेश राजानी को गिरफ्तार किया है। मनीष के पास से चार मोबाइल फोन, लाखों के सट्टे का हिसाब–किताब मिला है।एसपी ने बताया कि क्रिकेट सट्टा खिलाने के लिए आरोपित परंपरागत संसाधनों की बजाय हाइटेक संसाधन इस्तेमाल कर रहा था। लैपटाप की बजाय वह मोबाइल एप के जरिए क्रिकेट सट्टा खिलाता था। यह एप डाउनलोड करने के बाद खेलने वाले की अलग आईडी और पासवर्ड जनरेट हो जाता था।इसी एप के जरिए ऑनलाइन बैंक खातों से रकम का ट्रांजेक्शन भी होता था। मनीष के मोबाइल से पुलिस को कई लोगों के खातों से हुए ट्रांजेक्शन और कॉल रिकार्डिंग भी मिली है। एसपी ने कहा है कि सट्टा खेलने वालों की सूची भी तैयार कराई जा रही है। इनमें बुरहानपुर के अलावा रावेर व अन्य स्थानों के लोग शमिल हैं। उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

बुखार ओर जुकाम –खांसी नही बल्की कुछ अलग है कोराना के लक्ष्ण ।

ज्यादातर देशों में बुखार और सांस लेने में कठिनाई को कोरोना का लक्षण माना जा रहा है। लेकिन अब मान्यता को बदले जाने की जरूरत है। कोरोना वायरस के संक्रमण में गंध और स्वाद लेने की क्षमता का कम होना सबसे विश्वसनीय लक्षण माने गए हैं। संक्रमित व्यक्ति की दोनों क्षमताएं धीरे–धीरे करके खत्म हो जाती हैं। ये दोनों लक्षण पूरी दुनिया में संक्रमितों में पाए गए हैं। यह जानकारी ब्रिटेन में वैज्ञानिकों के शोध से निकलकर आई है।

लक्षणों को लेकर पहली बार किसी देश में ऐसा अध्ययन हुआ है। इससे कोविड के इलाज में मदद मिलने की संभावना है। इन दो लक्षणों का पता चलते ही लोग खुद ही एकांतवास में जाने लगेंगे और अपना कोरोना परीक्षण कराने लगेंगे। इससे संक्रमण फैलने से रोकने में मदद मिलेगी। लोग बुखार आने, खांसी–जुकाम होने और उसके बिगड़ने का इंतजार नहीं करेंगे। गंध और स्वाद संबंधी लक्षणों को प्रमुखता देने से दुनिया भर में कोरोना का संक्रमण नियंत्रित किया जा सकेगा। इस बात को दुनिया भर में प्रचारित करने की जरूरत है।ये आंकड़े 23 अप्रैल से 14 मई के मध्य के हैं, जब लंदन में कोरोना वायरस का संक्रमण बहुत तेजी से हो रहा था। लंदन के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के आंकड़ों का अध्ययन करने पर पता चला कि कोविड 19 ग्रस्त 78 प्रतिशत मरीजों की सूंघने और स्वाद लेने की क्षमता पूरी तरह या काफी हद तक खत्म हो गई थी। इनमें से 40 प्रतिशत को बुखार नहीं था और खांसी–जुकाम वाले लक्षण भी नहीं थे।

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर रचेल बैटरहम के अनुसार अब जबकि ब्रिटेन कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर से जूझ रहा है, तब हमें इस निष्कर्ष से इलाज में काफी मदद मिलने की संभावना है। डॉ. बैटरहम के अनुसार अभी तक दुनिया के कुछ ही देशों ने इन लक्षणों को प्रमुखता दी है। इस शुरुआती लक्षण से कोरोना संक्रमण को फैलने से रोका जा सकेगा।

स्वत्वाधिकारी , मुद्रक , प्रकाशक , सम्पादक अविनाश जाजपुरा के द्वारा यश प्रिन्टीगं प्रेस स्कीम नम्बर ३६ ए कलेक्टर कार्यालय के सामने से मुद्रीत एवं कास्मों स्कुल के पास इन्द्रा नगर नीमच से प्रकाशित / संपर्क 9893796737 (सभी विवादो को न्यायिक क्षैत्र नीमच रहेगा।)